

- तथा मानवों के विचार के अंतर्संबंधों के बारे में जानना ही भूगोल है या
- पृथ्वी के बदलते स्वरूप का अध्ययन ही भूगोल है
- साथ ही हम भूगोल को विज्ञान का दर्जा भी देते हैं ता हम कह सकें हैं कि " पृथ्वी के बदलते स्वरूप का

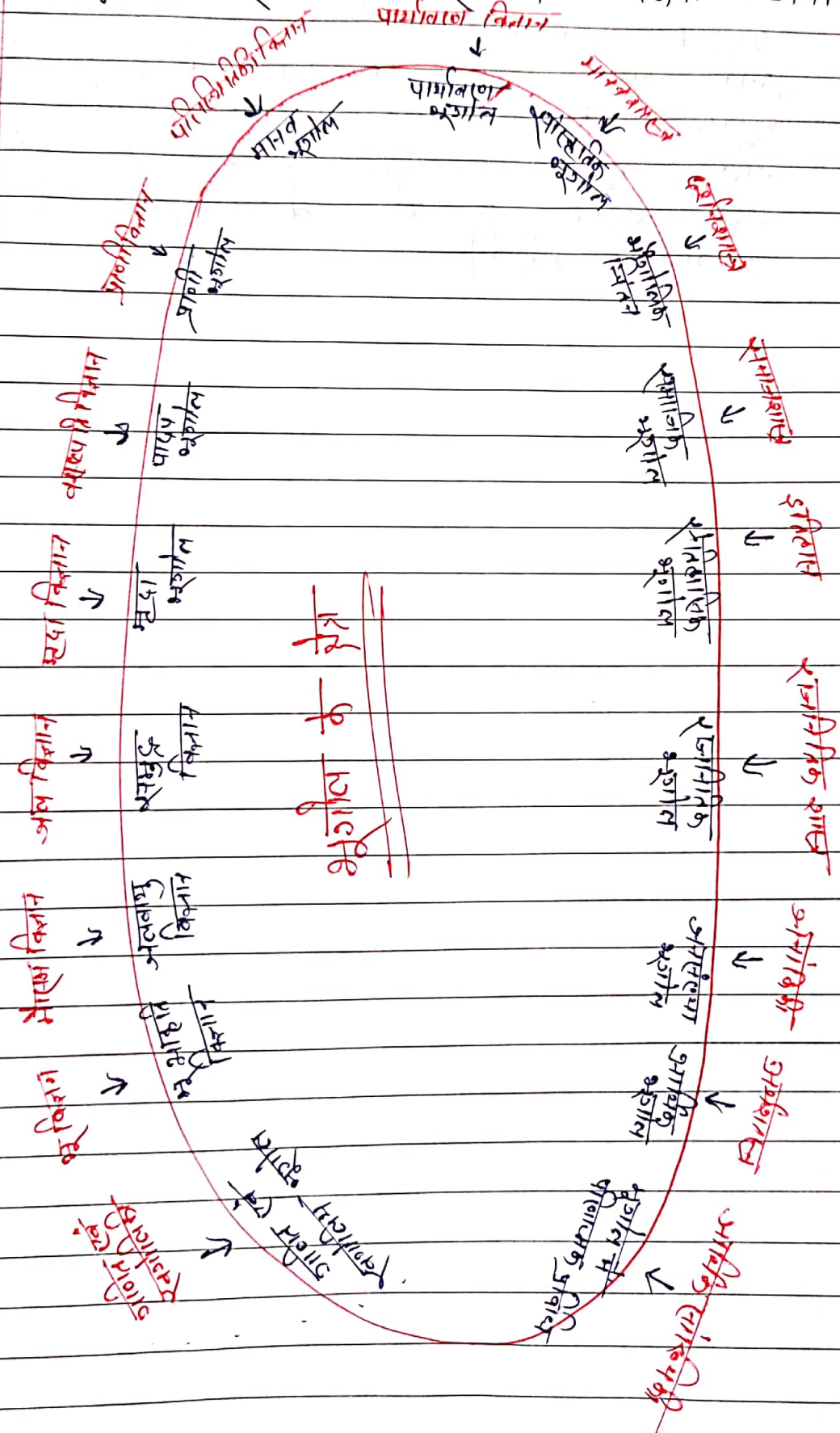
(प्रकृति तथा मानव द्वारा) शुद्ध, क्रमबद्ध तथा वर्तमान अध्ययन ही भूगोल है जिसे हार्टरशॉर्प महोदय ने 1939 में नीचे इन अभिप्रायों नामक पुस्तक में परिभाषित किया

- उनका का भूगोल इतना विस्तृत है ज़ुका है कि हम कह सकते हैं कि अपने अपने पास पास जाने वाले समस्त पदार्थ, तत्व तथा दस्तानों भूगोल के अन्तर्गत ही आते हैं।
- जैसे हम अपने जाते तब नगर, कौए, कुत, कालेवा, जनावार, कृषि, खेती, ताँ, आदल, वर्षा, पेड़, पौधे, शहर, देश, जाती-जनजाती, पहाड़, पठार, लोह परिवहन के साधन, नदी आदि कुछ भी यह सभी भूगोल में समाहित हैं यदि कारण है कि भूगोल पढ़ना और पृथ्वी विषयों के तुलना में सरल लगता है क्योंकि भूगोल अनुभव करने की विषय है

भूगोल का अन्य विज्ञानों से संबंध -

- भूगोल के विकास के क्रम में अनेक ही विज्ञानों ने भूगोल में योगदान दिया है उनमें से लगभग सभी अन्य के विषयों जैसे गणित, इतिहास, जीव विज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीति आदि विषयों से संबंध रखते

शे और ने लोग अपने विषय के
सहयोग से भौतिक तन्त्र के जो जिसके
कारण भूगोल में सभी विषयों का समावेश
हो गया और इस matter में यह
Subject से भी संबंधित किमा गया



हमारे देश के विकास के लिए हमें शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए।
 शिक्षा हमें नए अवसर प्रदान करती है।
 हमें अपने देश को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा को प्राथमिकता देना चाहिए।
 शिक्षा हमें नए अवसर प्रदान करती है।
 हमें अपने देश को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा को प्राथमिकता देना चाहिए।

शिक्षा हमें नए अवसर प्रदान करती है।
 हमें अपने देश को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा को प्राथमिकता देना चाहिए।
 शिक्षा हमें नए अवसर प्रदान करती है।
 हमें अपने देश को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा को प्राथमिकता देना चाहिए।